

प्रेषक,

डा० हेमलता डोंडियाल
अपर सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

जिलाधिकारी,
उधमसिंह नगर/पिथौरागढ़/
चम्पावत/पौड़ी/चमोली/रूद्रप्रयाग।

औद्योगिक विकास अनुभाग-2

देहरादून, दिनांक: 3। जुलाई, 2009

विषय: डी०आई०सी० के आवासीय/अनावासीय भवनों का निर्माण हेतु वित्तीय स्वीकृति के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक वित्त, विभाग के शासनादेश संख्या: 515 / XXVII(1)/2009 दिनांक 28 जुलाई, 2009 एवं शासनादेश संख्या 1243 / VII-2-09 / 353-उद्योग / 2004, दिनांक 29 जून, 2009 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वित्तीय वर्ष 2009-10 हेतु डी०आई०सी० के आवासीय/अनावासीय भवनों का निर्माण जिला योजनान्तर्गत समस्त धनराशि (लेखानुदानान्तर्गत स्वीकृत धनराशि को सम्मिलित करते हुए) निम्न विवरणानुसार रु० 114.50 लाख (रु० एक करोड़ चौदह लाख पचास हजार मात्र) की धनराशि व्यय हेतु आपके निर्वर्तन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

जनपद का नाम	स्वीकृत की जा रही धनराशि(रु० लाख में)
उधमसिंह नगर	17.50
पिथौरागढ़	6.00
चम्पावत	20.00
पौड़ी	20.00
चमोली	1.00
रूद्रप्रयाग	50.00
कुल योग	114.50

2- उक्त धनराशि आपके निर्वर्तन पर इस आशय से स्वीकृत की जा रही है कि व्यय उन्ही मदों में किया जाये जिसमें धनराशि स्वीकृत की जा रही है। व्यय में मितव्ययता नितांत आवश्यक है तथा इस संबंध में समय-समय पर जारी शासनादेशों/आदेशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाये। यह आबंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता है, जिससे व्यय करने पर बजट मैनुअल अथवा वित्तीय हस्तपुस्तिका के नियमों का उल्लंघन होता हो।

3- स्वीकृत की जा रही धनराशि का दिनांक 31.03.2010 तक उपयोग कर लिया जायेगा। वर्षान्त तक स्वीकृत धनराशि के विपरीत वित्तीय/भौतिक प्रगति का विवरण उत्तराखण्ड शासन को उपलब्ध कराया जायेगा। व्यय के पश्चात् यदि कोई धनराशि अवशेष रहती है तो उसे दिनांक 31.03.2010 तक शासन को समर्पित किया जायेगा।

4- धनराशि के आहरण के पूर्व यह सुनिश्चित कर लिया जायेगा कि उक्त योजनायें जिला विकास एवं अनुश्रवण समिति द्वारा जनपदवार अनुमोदित प्लान परिव्यय एवं अनुमोदित योजनाओं पर ही व्यय की जा रही है।

5— उक्त जिला योजना में जिला अनुश्रवण समिति द्वारा अनुमोदित जनपदवार परिव्यय/योजनाओं के अनुरूप ही सैंक्टरवार व्यय किया जायेगा। स्वीकृत की जा रही धनराशि का आवश्यकतानुसार ही आहरण किया जायेगा।

6— स्वीकृत धनराशि जिला अनुश्रवण समिति द्वारा अनुमोदित जनपदवार परिव्यय/योजनाओं के अनुरूप ही सैंक्टरवार व्यय किया जायेगा एवं धनराशि का व्यय वित्त विभाग के उपरोक्त शासनादेश दिनांक 28 जुलाई, 2009 में उल्लिखित निर्देशानुसार किया जायेगा।

7— उक्त व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2009-10 हेतु अनुदान संख्या-23 के मुख्य लेखाशीर्षक, 48511-ग्रामोद्योग तथा लघु उद्योग, 00-आयोजनागत, 102-लघु उद्योगों पर पूंजीगत परिव्यय, 05-डी0आई0सी0 के आवासीय/अनावासीय भवनों का निर्माण, 24-वृहत निर्माण कार्य के नामे डाला जायेगा।

8— यह आदेश वित्त विभाग के शासनादेश संख्या 515/XXVII(1)/2009 दिनांक 28 जुलाई, 2009 के प्रस्तर-7 में इंगित निर्देशानुसार निर्गत किये जा रहे हैं।

भवदीया,

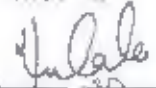
(डा० हेमलता ढोंडियाल)
अपर सचिव।

पृष्ठांकन संख्या: 1754(1)/VII-2-09/353-उद्योग/2004, तददिनांकित।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

- 1 महालेखाकार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
- 2 सम्बन्धित जनपद के वरिष्ठ कोषाधिकारी/कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड।
- 3 निजी सचिव, मा० मुख्यमंत्री जी।
- 4 निजी सचिव-मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
- 5 आयुक्त, गढ़वाल मण्डल, पौड़ी/कुमाऊँ मण्डल, नैनीताल।
- 6 निदेशक, उद्योग उत्तराखण्ड।
- 7 सम्बन्धित जनपद के महाप्रबन्धक/प्रभारी महाप्रबन्धक, जिला उद्योग केन्द्र।
- 8 अपर सचिव वित्त (बजट), उत्तराखण्ड शासन।
- 9 अपर सचिव, नियोजन, उत्तराखण्ड शासन।
- ✓ 10 निदेशक, एन0आई0सी0, सचिवालय परिसर, देहरादून।
- 11 वित्त अनुभाग-2
- 12 गार्ड-फाईल।

आज्ञा से,


(डा० हेमलता ढोंडियाल)
अपर सचिव।